



## 26 जून नशा मुक्ति दिवस पर विशेष नशा मुक्ति के लिए उठे बढ़े कदम

**दैनिक समाज जागरण**  
आज पूरी दुनिया नशे के चंगुल में फंसी हुई है। दुनिया का कोई भी ऐसा देश नहीं है जहां के लोगों को नशे कि लत नहीं लगी हो। भारत में तो स्थिति और भी बदतर हो रही है। यहां की बहुत बड़ी आबादी नशे की गिरफ्त में आ चुकी है। विशेषकर युवा वर्ग में बढ़ती नशाखोरी की प्रवृत्ति समाज व राष्ट्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। नशे की लत के कारण बहुत से नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो चुका है।

हमारे देश में नशा करने वाले युवा पीढ़ी के लोग अब चरस, हेरोइन, कोकीन, अफीम जैसा खतरनाक नशा करने लगे। देश भर में नशे का सामान बेचने वाले बड़े-बड़े नशा माफिया पनप गए हैं। जो स्कूलों, कॉलेजों में कम उम्र के नौजवानों को नशे का सामान बेचते हैं। घर से बाहर रहकर पढ़ने वाले बहुत से छात्र इन नशा माफियाओं के चंगुल में फंसकर नशे की लत के शिकार हो जाते हैं। जब तक उनके घर वालों को असलियत का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। नशीले पदार्थों के निवारण के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में 7 दिसम्बर 1987 से इसे मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाना है। यह अच्छी बात है कि इस दिन लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाता

है। लोगों को सचेत किया जाता है, सावधान किया जाता है। मगर जब तक समाज व सरकार नशे को जड़ से समाप्त करने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही नहीं करेगी तब तक नशे का व्यापार फैलता ही रहेगा। भारत में भी सरकार ने विभिन्न प्रकार के नशे के सामान की बिक्री पर रोक लगा रखी है। कई कानून भी बनाए हैं। मगर उन पर प्रभावी अमल नहीं हो पाता है। जिसके चलते खुलेआम नशे का कारोबार होता है।

रिपोर्ट में यह भी दाव किया गया है कि भारत में युवा इस खतरे से सबसे अधिक प्रभावित हैं। भारत में जब्त की गई सभी अवैध दवाओं में से 60 प्रतिशत से अधिक पंजाब से हैं। एक अध्ययन के अनुसार अधिकांश नशेड़ी 15 से 35 वर्ष की आयु के बीच हैं और कई बेरोजगार हैं। नशीली दवाओं का दुरुपयोग समाज को प्रभावित करने वाला एक गंभीर खतरा है। नशीली दवाओं की लत से अनजाने में

का कारोबार हाता है। आज देश में कहीं से कोई भी व्यक्ति नशे का कोई भी सामान खरीद सकता है। उसे ना कोई रोकने वाला है ना कोई टोकने वाला है। नशे का सामान बेचने वाले सौदागर दिनों दिन धनवान होते जा रहे हैं। जिस कारण से उनका पुलिस व प्रशासन पर पूरा प्रभाव रहता है। जिसकी बढ़ालत वह शासन, प्रशासन से मिलकर दोजा का लोट से जनजाति न चोट लगने, दुर्घटनाएं, घेरेलू हिंसा की घटनाएं, चिकित्सा समस्याएं और मृत्यु का उच्च जोखिम होता है। नशीली दवाओं का सेवन करने वालों की अर्थिक क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है। नशीली दवाओं पर निर्भरता से आत्म-सम्मान में भी कमी आती है। निराशा, आपराधिक गतिविधियों और यहाँ तक कि आत्मघाती प्रवृत्ति को भी

सरे आम धड़ल्ले से अपना धंधा करते रहते हैं। नशे की प्रवृत्ति के खिलाफ हमारा समाज भी जागरुक नहीं है। नशे की लत के चलते पंजाब जैसा संपन्न प्रांत नशेड़ियों का प्रदेश कहलाने लगा था। वैसी ही रिस्तिं आज देश के अधिकांश प्रदेशों की हो रही है। नशे को लेकर पंजाब जब सुखियों में आया तो पूरे देश का ध्यान उस तरफ गया और वहाँ नशे के कारोबार पर कुछ हद तक अंकुश लग पाया। वैसा ही हमें पूरे देश में करना होगा तभी नशे की तरफ जा रही हमारी युवा पीढ़ी को भटकने से रोका जा सकेगा। कहते हैं कि नशा हर अपराध की जड़ होता है। नशेड़ी व्यक्ति कोई भी बुरे से बुरा काम करने से नहीं छिपकता सकता है। अधिकांश अपराध नशे की धून में ही किए जाते हैं। बढ़ते नशे के प्रचलन को रोकने के लिए हमें सरकार के भरोसे ही नहीं रहना होगा। इसके लिए हमें स्वयं भी प्रयास करने होंगे। हमें देखना होगा कि हमारे जन्म दे सकती है। भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ नशा मुक्त भारत अभियान या ड्रग्स-मुक्त भारत अभियान 15 अगस्त 2020 से देश के उन 272 जिलों में शुरू किया गया था जो नशीली दवाओं के दुरुपयोग से सबसे अधिक असुरक्षित और प्रभावित पाए गए थे। इसका उद्देश्य शिक्षण संस्थानों के साथ सकारात्मक भागीदारी, जन शिक्षा और स्वच्छता के लिए सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों और उपचार, पुनर्वास और परामर्श सुविधाओं के एकीकरण के द्वारा भारत को एक नशा मुक्त देश बनाना है। भारत ने नशीली दवाओं की समस्याओं को दूर करने के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। हालांकि सरकार के पास व्यापक खाका, प्रतिबद्ध कार्यबल और कई समर्पित कार्यक्रम और नीतियां हैं। लेकिन मौजूदा कार्यक्रमों में और अधिक सुधार करने की जरूरत है।

A portrait photograph of a middle-aged man with dark hair, wearing a light blue button-down shirt. He is looking directly at the camera with a slight smile. The background is a solid red color.

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: <https://samajjagran.in/> Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200





## आपातकाल धोषित होने की वर्षगांठ पर गांधी प्रतिमा के समक्ष सांकेतिक धरना -पूर्व नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मंत्री राजधारी ने किया लोगों को संबोधित

शिशकांत ओझा, ब्लूरो चौफ़, समाज जागरण

बलिया : आपात काल धोषित होने की वर्षगांठ पर रविवार को जनपद के लोकतंत्र सेनानियों ने नगर के शहीद पार्क स्थित रास्तपिटा महात्मा गांधी जी के प्रतिमा पर मल्यालंण कर प्रतिमा के समक्ष सांकेतिक धरना दिया।

इस अवसर पर धरना सभा को सम्बोधित करते हुए लोकतंत्र सेनानी पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोविन्द चौधरी ने कहा कि आपात काल इस देश पर एक काला धब्बा हैं जिसके खिलाफ और लोकतंत्र को बचाने के लिए हम लोगों ने संघर्ष किया। एक वह दौर था आज उस दौर से भी बदतर देश की स्थिति गई है। सच बोलने की सजा जेल हो गई है। लोकतंत्रिक और संरचना को हार्डेंक कर लोकतंत्र और मानवीय अधिकारों को अतिक्रम कर लोगों को डराया और धमकाया जा रहा है। सरकारी एजेंसियों के दम पर लोकतंत्रिक आवाजों को दबाया जा रहा है। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र



सेनानी होने के नाते हम सभी का कर्तव्य बनता है कि एक बार पुनः इस अधोषित आपातकाल के खिलाफ एक जुट होकर आवाज उठाए। पूर्व मंत्री राजधारी ने कहा कि आपातकाल ने देश को संबोधित वैश्विक स्तर पर कलंकित किया था लेकिन देश

के लोकतंत्र की नींव बहुत कमज़ोर नहीं हैं और उसी मजबूती के बल पर देश आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर सर्वश्री द्विंद्रेन्द्र कुमार मिश्र, देवेन्द्र तिवारी, गापाल सिंह, धरमराज सिंह, रमाशंकर, दीना नाथ सिंह, बब्बन शर्मा, सनोप शुक्ल, बब्बन सिंह आदि लोग उपस्थित रहे। अध्यक्षता नगर पालिक परिषद के पूर्व अध्यक्ष हरे राम चंद्रीर एवं संचालन लोकतंत्र सेनानी संगठन के संरक्षक चंद्रेश्वर

सिंह ने किया। इस दौरान लोकतंत्र कल्याण समिति द्वारा एक प्रतक भी प्रधान मंत्री को नाम संबोधित वहां उपस्थित नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा गया।

जिला योजना समिति के सदस्यों का निर्वाचन हुआ संपन्न

शिशकांत ओझा, ब्लूरो चौफ़, समाज जागरण

बलिया : नगर निकाय क्षेत्रों से चुने जाने वाले जिला योजना समिति के सदस्यों का निर्वाचन रविवार को कलेक्टर में संपन्न हुआ।



## एनआरएलएन के तहत समूह की महिलाओं का नौ दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

-आवासीय प्रशिक्षण संपन्न -परिवहन मंत्री के परिनियंत्रण मंड़े द्विंद्र सिंह ने दिया प्रतिशायियों को प्रमाण पत्र



शिशकांत ओझा, ब्लूरो चौफ़, समाज जागरण  
बलिया : भारतीय परिसर हैब्टवरु में ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत चल रहे सांखों समाप्ति का नाम चार्चित और समूह निर्माण पर 09 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि धर्मेंद्र सिंह प्रतिनिधि परिवहन मंत्री रहे। उन्होंने सभी प्रतिशायियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

इस दौरान कार्यक्रम की साराहना करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से वे स्थावलंबी बनने के अन्य महिलाओं को स्वतंत्रता देंगे। इस दौरान लोकार्थी दीड़या के खिलाफ जिला सम्बन्धिक आवासीय प्रशिक्षण का नाम चार्चित और धमकाया जा रहा है। सरकारी एजेंसियों के दम पर लोकतंत्रिक आवाजों को दबाया जा रहा है। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र

शर्मा ने सम्बोधित करते हुए महिलाओं का मार्गदर्शन किया। इससे पूर्व महिलाओं ने स्वतंत्रता दीर्घी के माध्यम से सुख्य अतिथि यहां सभी को स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सेवा सदन स्कूल के प्रबंधक डॉक्टर सुधीर कुमार

सिंह ने किया। वही एफॉरी के जिला समन्वयक प्रवीण कुमार यादव ने प्रशिक्षण की उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी को आभार व्यक्त किया। इस दौरान मुख्य राय, उपेन्द्र राय सहित सभी प्रतिभावी उपस्थित रहे।

## बकरीद पर्व के लिए बकरी बाजार की नंदी में दूर दूर से आए ग्राहक, जनकर्त हुई घटीददाई

शक्तील खान, समाज जागरण

सुरेनपुर (बलिया) : द्वारा राष्ट्रीय इंटर कालेज बैरिया के बैदान में लोग बकरा मंडी शनिवार को सुबह से ही बकरा मण्डी सजी तो खरीदार टटू पड़े। दस से पचास हजार तक के बकरे बाजार में मौजूद थे। बकरीद मंदिर नेतरों ने देर शम तक बकरे की खरीदारी की।



बैरिया (बलिया) : स्थानीय आम क्षेत्र के एक गांव की मुहिली के अपहरण के आरोपी को लोकतंत्र के तालिबपुर गांव निवासी नीरज कुमार को पुलिस ने रविवार को पासमान चौके मध्यबीच से गिरफतार कर लिया। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में पाबद कर गिरफतार अभियुक्त को चालान न्यायालय कर दिया। बैरिया एसएचओ धर्मवीर सिंह ने बताया कि शादी का झासा देकर 6 जून 2023 का क्षेत्र के एक गांव की युवती को नीरज भगा ले गया था। बाद में पुलिस ने युवती को बाकाम कर लिया था, किंतु नीरज फरार हो गया था। मुख्यवार को सुनाना पर रखिवार को उसे गिरफतार कर धारा 363, 366, 120 या आईपीओ के तहत चालान न्यायालय किया गया। एसएचओ ने बताया कि युवती का चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है। इसके बाद और विधिक कारबंदी होगी। चिकित्सीय परीक्षण की रिपोर्ट आने के बाद संभवतः और धारा ए भी बढ़ सकती है।

## उन्नाय ने पत्रकाएं को गोली मारे जाने के मामले में पूर्व आईपीएस अग्रिमताम ठाकुर कल जाएंगे उन्नाय

संवादाता समर्थ कुमार सक्सेना

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के जनपद उन्नाय में पत्रकारों को गोली मारे जाने के मामले में आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अधिकारी अग्रिम ठाकुर वस्तुस्थिति पता करने के लिए कल उन्नाय जाएंगे। वह पत्रकारों को देखने अस्पताल भी जाएंगे जहां पत्रकार गोली हालत में भर्ती हैं। साथ ही वह कार्यकर्ताओं के साथ वहाँ जाकर अवस्थिति जानने के लिए अन्य पत्रकारों से भी मुलाकात करेंगे। पूर्व आईपीएस अग्रिमताम ठाकुर ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में सरकार



की लचर कानून व्यवस्था के परिणाम लगातार समान आ रहे हैं। लोकतंत्र के लिए काम करने के लिए व्यवस्था की कानूनीयां को उत्तापन करने वालों की जान अब प्रदेश में सुरक्षित नहीं रह गई है। उन्नाय में अवस्थी को गोली मारे जाने के लिए व्यवस्था को खिलाफ लगातार खिलें रखी रहे थे। पहले भी उन पर हमले हो चुके थे। एक वीडियो के जरिए अपनी हत्या के खिलाफ खबर लिखने वाले जीवांग से एक व्यवस्था की जान अब खुफिया में ही रह गई है।

की जान अब खुफिया की जान अब खुफिया हो गई है।

कमल सिंह लोधा दैनिक समाज जागरण

आयो-रविवार 25 जून को आरोन, जिला गुरु में एक व्यासीय जिला स्तरीय सांस्कृतिक धरना के अनुष्ठान विधायिका के द्वारा एलईडी के माध्यम से उन्नाय के अन्य व्यासीय जिलों के लिए व्यवस्था की जान अब खुफिया में ही रह गई है।

उन्नाय में पत्रकार मन् अवस्थी को गोली मारे जाने के लिए व्यवस्था की जान अब खुफिया में ही रह गई है।

कमल सिंह लोधा दैनिक समाज जागरण

आयो-रविवार 25 जून को आरोन, जिला गुरु में एक व्यासीय जिला स्तरीय सांस्कृतिक धरना के अनुष्ठान विधायिका के द्वारा एलईडी के माध्यम से उन्नाय के अन्य व्यासीय जिलों के लिए व्यवस्था की जान अब खुफिया में ही रह गई है।

उन्नाय में पत्रकार मन् अवस्थी को गोली मारे जाने के लिए व्यवस्था की जान अब खुफिया में ही रह गई है।

कमल सिंह लोधा दैनिक समाज जागरण

आयो-रविवार 25 जून को आरोन, जिला गुरु में एक व्यासीय जिला स्तरीय सांस्कृतिक धरना के अनुष्ठान विधायिका के द्वारा एलईडी के माध्यम से उन्नाय के अन्य व्यासीय जिलों के लिए व्यवस्था की जान अब खुफिया में ही रह गई है।

उन्नाय में पत्रकार मन् अवस्थी को गोली मारे जाने के लिए व्यवस्था की जान अब खुफिया में ही रह गई है।

कमल सिंह लोधा दैनिक समाज जागरण

आयो-रविवार 25 जून को आरोन, जिला गुरु में एक व्यासीय जिला स्तरीय सांस्कृतिक धरना के अनुष्ठान विधायिका के द्वारा एलईडी के माध्यम से उन्नाय के अन्य व्यासीय जिलों के लिए व्यवस्था की जान अब खुफिया में ही रह गई है।

उन्नाय में पत्रकार मन् अवस्थी को गोली मारे जाने के लिए व्यवस्था की जान अब खुफिया में ही रह गई है।

कमल सिंह लोधा दैनिक समाज जागरण

आयो-रविवार 25 जून को आरोन, जिला गुरु में एक व्यासीय जिला स्तरीय सांस्कृतिक धरना के अनुष्ठान विधायिका के द्वारा एलईडी के माध्यम से उन्नाय के अन्य व्यासीय जिलों के लिए व्यवस्था की जान अब खुफिया में ही रह गई है।

उन्नाय में पत्रकार म













